मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC–101

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.सी.–101 : लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 4×10=40

(क) तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः।
हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकापि वा॥

अथवा

भीमकान्तैर्नृपगुणैः स बभूवोपजीविनाम्।
अधृष्यश्चाभिगम्यश्च यादोरत्नैरिवार्णवः॥

(ख) मनीषिताः सन्ति गृहेषु देवतास्तपः क्व वत्से ?

क्व च तावकं वपुः ?।

पदं सेहत भ्रमस्य पेलवं शिरीषपुष्पं न पुनः पतत्रिणः॥

अथवा

कृताभिषेकां हुतजातवेदसं त्वगुत्तरासङ्गवतीम-

धीतिनीम्।

दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागमन् न धर्मवृद्धेषु वयः

समीक्ष्यते॥

(ग) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे, जितां सपत्नेन

निवेदयिष्यतः।

न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा

हितैषिणः॥

अथवा

निरत्ययं साम न दानवर्जितं न भूरिदानं विरहस्य

सत्क्रियाम्।

प्रवर्त्तते तस्य विशेषशालिनी गुणानुरोधेन विना न

सत्क्रियाम्॥

(घ) बोद्धारो मत्सरग्रस्ताः प्रभवः स्मयदूषिताः।

अबोधोपहताश्चान्ये जीर्णमङ्गे सुभाषितम्॥

अथवा

येषां न विद्या न तपो न दानं,

ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।

ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः,

मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

खण्ड-ब

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

$5 \times 10 = 50$

(क) महाकाव्य की उत्पत्ति और विकास पर एक लेख लिखिए।

(ख) 'रघुवंशम्' महाकाव्य के आधार पर राजा दिलीप का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'कुमारसम्भवम्' महाकाव्य के आधार पर पार्वती की विशेषताएँ लिखिए।

(घ) 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य के आधार पर दुर्योधन की राज्य से संबंधित नीतियाँ लिखिए।

(ङ) 'नीतिशतकम्' के प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालिए।

(च) माघ द्वारा विरचित 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य का कथासार लिखिए।

खण्ड-स

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $5 \times 2 = 10$

(क) महाभारत और उसकी विषय-वस्तु

(ख) अश्वघोष के महाकाव्य

(ग) नैषधं विद्वदौषधम्

× × × × ×